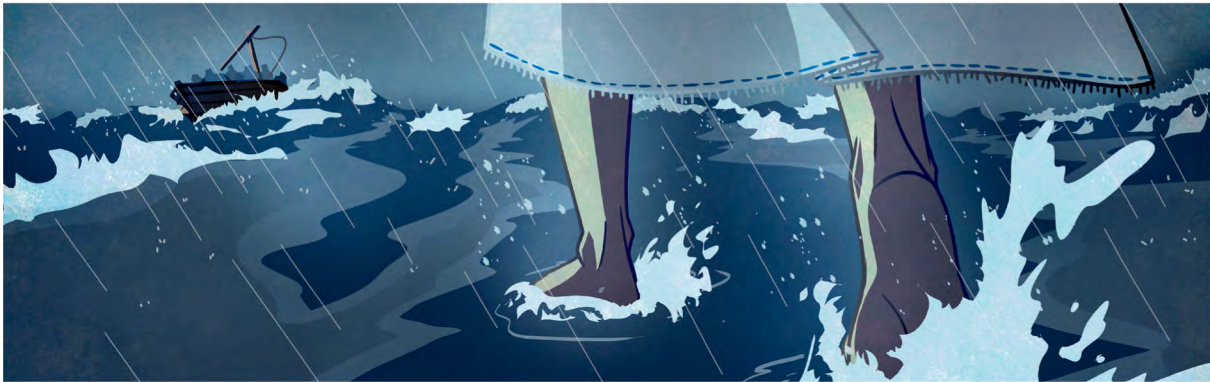


पवित्र शास्त्र क्या सिखाता है?

यीशु मसीह कौन है? (भाग 2)

बाइबल असल में क्या सिखाती है? किताब के अध्याय 4 पर आधारित। यह किताब jw.org पर उपलब्ध है।

मकसद: खुद को जाँचिए कि आप क्या मानते हैं और ऐसा क्यों मानते हैं। देखिए कि बाइबल क्या सिखाती है और आप जो मानते हैं वह दूसरों को कैसे समझा सकते हैं।



क्या यीशु परमेश्वर के बराबर है?

1 जाँचिए कि आप क्या मानते हैं

कुछ लोग शायद क्यों “हाँ” कहेंगे?

कुछ लोग शायद क्यों “नहीं” कहेंगे?

आप क्या मानते हैं?

आप ऐसा क्यों मानते हैं?

यीशु की एक शुरुआत थी; परमेश्वर की कोई शुरुआत नहीं थी।

(बाइबल सिखाती है किताब के अध्याय 4 के पैराग्राफ 10-12 देखें।)

कुलुस्सियों 1:15, 16 पढ़िए।

यह बात क्यों गौर करने लायक है कि बाइबल यीशु को “सारी सृष्टि में पहलौठा” कहती है?

भजन 90:2 पढ़िए।

क्या यहोवा परमेश्वर की कोई शुरुआत थी?



अगर यीशु परमेश्वर के बराबर था, तो उसने परमेश्वर को अपना पिता क्यों कहा? भाई क्यों नहीं कहा?

यीशु ने सिखाया कि परमेश्वर उससे बड़ा है।

(बाइबल सिखाती है किताब के अध्याय 4 के पैराग्राफ 12-14 देखें।)

यूहन्ना 14:28 पढ़िए।

इस आयत के मुताबिक क्या यीशु ने खुद को परमेश्वर के बराबर समझा?

यूहन्ना 14:31 पढ़िए।

यीशु ने कहा कि वह परमेश्वर की आज्ञाएँ मानता है। यह कैसे दिखाता है कि वह परमेश्वर के बराबर नहीं था?

क्या बात आपको यकीन दिलाती है कि यीशु परमेश्वर नहीं था?

3

समझाइए कि आप क्या मानते हैं

अगर कोई कहे . . .

यीशु स्वर्ग से आया था, इसलिए वह ज़रूर परमेश्वर होगा।

आप उससे कह सकते हैं . . .

यह सच है कि यीशु धरती पर आने से पहले स्वर्ग में रहता था। मगर मैं मानता हूँ कि इस वजह से उसका दर्जा परमेश्वर के बराबर नहीं बन जाता, क्योंकि . . .

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

वह व्यक्ति जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप उसे यह आयत दिखाकर कैसे समझा सकते हैं?

अगर कोई कहे . . .

यीशु ने कहा था कि वह परमेश्वर है।

आप उससे कह सकते हैं . . .

आपकी इस बात से बहुत लोग सहमत होंगे। मगर मैं कुछ और मानता हूँ क्योंकि . . .

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

वह व्यक्ति जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप उसे यह आयत दिखाकर कैसे समझा सकते हैं?
